CS (MAIN) EXAM, 2010

Sl. No. 2116

B–DTN–K–QMB

PHILOSOPHY

Paper—II

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Each question is printed both in Hindi and in English.

Answers must be written in the medium specified in the Admission Certificate issued to you, which must be stated clearly on the cover of the answer-book in the space provided for the purpose. No marks will be given for the answers written in a medium other than that specified in the Admission Certificate.

Candidates should attempt Question Nos. ***1*** *and* ***5*** *which are compulsory, and any* ***three*** *of the remaining questions selecting at least* ***one*** *question from each Section.*

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

Answers should be precise and to-the-point.

ध्यान दें : अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस प्रश्न-पत्र के पिछले पृष्ठ पर छपा है।

Section—A

1. Answer all the four parts below in not more than *150* words each : 15×4=60

(a) Discuss the nature of relationship between Liberty and Equality.

(b) Why did Kautilya think that sovereignty is hierarchical? Explain.

(c) Does Accountability necessarily contribute to moral perfection? Offer your views.

(d) Is social progress possible without Humanism? Examine.

2. Answer all the three parts below in about *200* words each : 20×3=60

(a) Which type of Socialism, according to you, is superior—Utopian or Democratic? Why?

(b) "Caste is not a sin, but caste discrimination is." As a concerned citizen, comment critically on this statement.

(c) Does the right to property bring economic disparity and threaten human fraternity? Discuss.

3. Answer all the three parts below in about *200* words each : 20×3=60

(a) Is majority-rule meaningfully reflected in present-day democratic governments? Substantiate your answer with suitable examples.

खण्ड—क

1. नीचे दिए गए चारों भागों के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक *150* शब्दों से अधिक में न हो : 15×4=60

   (क) स्वतंत्रता और समता के बीच के सम्बन्ध की प्रकृति पर चर्चा कीजिए।

   (ख) कौटिल्य का यह विचार क्यों था कि प्रभुता सोपानिक होती है? स्पष्ट कीजिए।

   (ग) क्या जवाबदेही आवश्यक रूप से नैतिक पूर्णता में योगदान देती है? अपने विचार रखिए।

   (घ) क्या मानववाद के बिना सामाजिक प्रगति संभव है? परीक्षण कीजिए।

2. नीचे दिए गए तीनों भागों के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक लगभग *200* शब्दों में हो : 20×3=60

   (क) आपके विचार में किस प्रकार का समाजवाद श्रेष्ठ है—कल्पनालोकी या लोकतंत्रीय? क्यों?

   (ख) "जाति पाप नहीं है, परंतु जातीय भेदभाव पाप है।" एक चिंतित नागरिक होने के नाते, इस कथन पर समालोचनात्मक टिप्पणी कीजिए।

   (ग) क्या संपत्ति का अधिकार आर्थिक असमानता पैदा करता है और मानव बंधुत्व के लिए ख़तरा होता है? चर्चा कीजिए।

3. नीचे दिए गए तीनों भागों के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक लगभग *200* शब्दों में हो : 20×3=60

   (क) क्या वर्तमान लोकतंत्रीय सरकारों में बहुसंख्यक शासन अर्थपूर्ण तरीके से प्रतिबिंबित है? उपयुक्त उदाहरणों के साथ अपने उत्तर को प्रमाणित कीजिए।

(b) Can only the political empowerment of women wipe out gender discrimination in a male-dominated Indian society?

(c) If capital punishment is legally awarded, then no ethico-political consideration should subvert it. Express your opinion for or against.

4. Answer all the three parts below in about *200* words each : 20×3=60

(a) Which type of individual, according to you, can contribute more to strengthen the State—a liberalist or a socialist?

(b) Does Bodin's theory of sovereignty 'float in the air'? Critically examine.

(c) List the various 'sanctions' permitting genocide and clearly bring out the ethical counter-arguments against each.

Section—B

5. Answer each of the following in not more than *150* words : 15×4=60

(a) What is the central concept in a religion without God? Discuss.

(b) "The problem of evil arises when we attribute infinite knowledge, power and goodness to God acknowledging the fact of innocent persons' suffering. One cannot be mistaken about one's own experience, and suffering is an experience. Hence, God cannot have at least one of the three attributes : infinite knowledge, power and goodness." Evaluate this argument.

(ख) क्या महिलाओं का केवल राजनीतिक सशक्तिकरण पुरुष-प्रधान भारतीय समाज में स्त्री-पुरुष भेदभाव को मिटा सकता है?

(ग) यदि मृत्युदंड वैध रूप से अधिनिर्णीत किया गया हो, तो किसी भी नैतिक-राजनीतिक विचार को उसका ध्वंस नहीं करना चाहिए। इसके पक्ष या विपक्ष में अपनी राय अभिव्यक्त कीजिए।

4. नीचे दिए गए तीनों भागों के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक लगभग *200* शब्दों में हो : 20×3=60

(क) आपके विचार में किस प्रकार का व्यक्ति—उदारवादी या समाजवादी—राज्य को अधिक शक्तिशाली बनाने में अपेक्षाकृत अधिक योगदान दे सकता है?

(ख) क्या प्रभुता की बोडिन की थियोरी 'हवा में तैरती है'? समालोचनापूर्वक परीक्षण कीजिए।

(ग) जनसंहार की अनुमति देने वाली विभिन्न 'अनुशास्तियों' की सूची बनाइए और प्रत्येक के विरोध में नैतिक प्रतियुक्तियों पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—ख

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का *150* शब्दों के भीतर उत्तर दीजिए : 15×4=60

(क) ईश्वर के बिना धर्म में केंद्रीय संकल्पना क्या है? चर्चा कीजिए।

(ख) "अमंगल की समस्या तभी उठती है जब हम निर्दोष व्यक्तियों के कष्टभोग के तथ्य को स्वीकारते हुए ईश्वर पर अनंत ज्ञान, शक्ति एवं उत्तमता का गुणारोपण कर देते हैं। अपने स्वयं के अनुभव के सम्बन्ध में कोई ग़लती नहीं कर सकता और कष्टभोग एक अनुभव ही है। अतएव, ईश्वर पर अनंत ज्ञान, शक्ति और उत्तमता इन तीन गुणारोपणों में से कम-से-कम एक तो नहीं हो सकता है।" इस तर्क का मूल्यांकन कीजिए।

(c) What sort of criterion can one provide for identifying rebirth as opposed to birth? Discuss.

(d) If morality has to follow from religion, can there be rational justification for moral actions? Discuss.

6. Answer each of the following in about *200* words : 20×3=60

(a) Is contingent argument for the existence of God anything more than a logical exercise? Discuss.

(b) If each and every argument has to take that its premises are true, would the causal argument for the existence of God as First Cause be different from assuming that it is true? Argue in favour of your position.

(c) Human mind is such that it naturally observes order in nature. Given this, can one use argument from Design for the existence of God? Discuss.

7. Answer each part below in about *200* words : 20×3=60

(a) Why is grace of God needed for liberation? Discuss with an example.

(b) Distinguish between Indian concept of 'Jivatma' and Plato's concept of 'Soul'.

(c) If ignorance is the cause of suffering, knowledge should remove suffering. What is the notion of knowledge which a liberated person acquires? Discuss.

(ग) जन्म के मुकाबले पुनर्जन्म को पहचानने के लिए किस प्रकार की कसौटी प्रस्तुत की जा सकती है? चर्चा कीजिए।

(घ) यदि नैतिकता को धर्म का अनुगमन करना आवश्यक हो, तो नैतिक कार्यों के लिए क्या कोई युक्तिसंगत औचित्य हो सकता है? चर्चा कीजिए।

6. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग *200* शब्दों में उत्तर दीजिए : 20×3=60

(क) क्या ईश्वर के अस्तित्व के लिए प्रासंगिक तर्क, एक तार्किक कसरत से कुछ अधिक है? चर्चा कीजिए।

(ख) यदि प्रत्येक तर्क के लिए यह मानना जरूरी हो कि उसकी आधारिकाएँ सत्य हैं, तो ईश्वर के अस्तित्व के लिए प्रथम कारण के रूप में क्या कारणात्मक तर्क, उसको सही मान लेने से भिन्न होगा? अपनी स्थिति के पक्ष में तर्क दीजिए।

(ग) मानव मन ही ऐसा है कि वह स्वाभाविक रूप से प्रकृति में व्यवस्था का प्रेक्षण करता है। इस बात को स्वीकार कर लेने के उपरांत, क्या ईश्वर के अस्तित्व के लिए, अभिकल्पना से प्राप्त तर्क का उपयोग किया जा सकता है? चर्चा कीजिए।

7. नीचे दिए गए प्रत्येक भाग का लगभग *200* शब्दों में उत्तर दीजिए : 20×3=60

(क) मोक्ष प्राप्ति के लिए ईश्वर की कृपा की आवश्यकता क्यों होती है? एक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए इस पर चर्चा कीजिए।

(ख) 'जीवात्मा' की भारतीय संकल्पना और 'आत्मा' की प्लेटो की संकल्पना के बीच विभेदन कीजिए।

(ग) यदि कष्टभोग का कारण अज्ञान है, तो ज्ञान से कष्टभोग मिट जाना चाहिए। मुक्ति-प्राप्त व्यक्ति जिस ज्ञान को प्राप्त कर लेता है, उस ज्ञान से क्या अभिप्राय है? चर्चा कीजिए।

8. Answer each part below in about *200* words : 20×3=60

(a) If religious experience is unique, what makes it an experience? How is this experience logically different from the experience of loneliness, happiness, etc.?

(b) Religious language is dependent on natural language for an analogy and a symbol to work. Why not then treat religious language as a specialized language like telegraphic language? Discuss.

(c) The fact that different religions originated at different places and in different centuries proves that plurality of religions is a fact. How correct would it be to say that all religions are essentially the same? Discuss.

8. नीचे दिए गए प्रत्येक भाग का लगभग 200 शब्दों में उत्तर दीजिए : 20×3=60

(क) यदि धार्मिक अनुभव अद्वितीय हो, तो क्या चीज है जो उसको अनुभव बनाती है? तार्किक रूप से, यह अनुभव अकेलापन, सुख आदि के अनुभव से किस प्रकार भिन्न है?

(ख) धार्मिक भाषा कार्य करने के लिए सादृश्य और प्रतीक के लिए प्राकृतिक भाषा पर आश्रित है। ऐसी स्थिति में धार्मिक भाषा को तारप्रेषणी भाषा की भाँति, एक विशेषीकृत भाषा के रूप में क्यों नहीं समझा जाना चाहिए? चर्चा कीजिए।

(ग) यह तथ्य कि विभिन्न धर्मों की उत्पत्ति विभिन्न स्थानों पर और विभिन्न शताब्दियों में हुई थी, साबित करता है कि धर्मों का अनेकत्व भी एक तथ्य है। यह कहना कहाँ तक सही होगा कि सभी धर्म आवश्यक रूप से एक ही हैं? चर्चा कीजिए।

★ ★ ★

B–DTN–K–QMB

दर्शनशास्त्र

प्रश्न-पत्र—II

समय : तीन घण्टे	पूर्णांक : 300

अनुदेश

प्रत्येक प्रश्न हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपा है।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तक के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्रवेश-पत्र पर उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

*प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं। बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न के लिए नियत अंक प्रश्न के अंत में दिए गए हैं।

उत्तर संक्षिप्त और सटीक होने चाहिए।

Note : English version of the Instructions is printed on the front cover of this question paper.